"माँ की पाती बेटी के नाम"

मीनू झंवर

ए-२६३(263),

आर. के. कॉलोनी,

भीलवाड़ा - ३११००१ (311001)

राजस्थान।

मो: ९४६१२-६४१८२ (94612-64182)

दिनांक: २५/०७/२०१८ (25/07/2018)

प्यारी बिटिया,

शुभ स्नेहाशीष।

तुम्हारे यहाँ से जाने के बाद घर का हर एक कोना खाली-सा लगने लग गया है। बचपन से लेकर आज तक तुम मेरी आँखों के सामने मेरी छत्र-छाया में पली-बढ़ी हो। आज तुम्हारे भविष्य को उज्ज्वल बनाने और सपनों को मूर्त रूप देने के लिए उच्च शिक्षा हेतु तुम्हें घर से दूर भेजना पड़ रहा है। यद्यपि मैं यह भली-भाँति जानती हूँ कि बचपन से जो संस्कार मैंने तुम्हें दिए हैं, उनका तुम सम्मान करोगी फिर भी कुछ जरूरी बातें मैं तुम्हें इस पाती के माध्यम से बताना चाहूँगी।

आधुनिकता की इस दौड़ में तुम्हें बहुत सोच-समझकर कदम बढ़ाना है। बेटी, यह बाहरी दुनिया बहुत विस्तृत है। गलत रास्ते हमें अपनी तरफ जल्दी आकर्षित करते हैं और मंज़िल तक पहुँचने में अवरोध उत्पन्न करते हैं। इसीलिए तुम्हें स्वविवेक से सही रास्तों को चुनना होगा। याद रखना ज़िन्दगी में आने वाली कठिनाईयों से घबराना मत, उनका डटकर सामना करना। कठिन परिश्रम से रास्ते सुगम हो जाते हैं।

मेरी यह सीख है कि अपने दोस्तों का चुनाव बहुत सोच समझकर करना। एक अच्छी और सच्ची दोस्त हमेशा तुम्हें गलतियाँ करने से रोकेगी और सही राह दिखाएगी। इसके विपरीत बुरी संगति पथ -भ्रष्ट ही करेगी।

बेटी! आने वाले समय में तुम्हें अपनी पहचान स्वयं बनाकर अपने चरित्र का निर्माण करना है। जीवन में एक छोटी सी गलती चरित्र को कलंकित कर सकती है। इस दुनिया के हर क्षेत्र में कदम रखने से पहले स्वयं को विश्वास की कसौटी पर परखना बहुत जरूरी है।

एक और महत्वपूर्ण बात...उम्र के इस पड़ाव में सभी एक दूसरे से ज़्यादा खूबसूरत दिखने की होड़ में लगे रहते हैं, लेकिन मेरा यह मानना है कि असली सुंदरता तन की नहीं, मन की होती है। बाहरी आडम्बर और फैशन एक छलावा मात्र ही है। अपने व्यवहार, आचरण और पहनावे को मर्यादित रखना। तुम अपने आत्मविश्वास को कभी कमज़ोर मत होने देना और हौंसलों को हमेशा बुलंद रखना।

आज का युग इंटरनेट का है। मैं मानती हूँ कि इसके उपयोग के बिना हमारी जीवनशैली अपूर्ण है किंतु बिटिया मैं तुम्हें यह सलाह जरूर देना चाहूंगी कि सोशल मीडिया जीतना आवश्यक हो उतना ही उपयोग करना। सिक्के के दूसरे पहलू की तरह ही इंटरनेट के नकारात्मक पक्ष से हमेशा बचकर रहना।

बेटी, उन्नति के शिखर पर पहुँचने के लिए समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। समय बहुत कीमती होता है इसीलिए अनावश्यक इधर उधर की बातों में अपना समय व्यर्थ मत करना। फ़िजूलखर्ची से हमेशा बचकर रहना। बचत की आदत को अपने व्यवहार में बनाकर रखना बहुत जरूरी है।

आखिर में एक सलाह और...

स्वास्थ्य सबसे कीमती धन होता है। स्वस्थ जीवन के लिए तुम्हें अपने आहार-विहार पर पूर्णरूपेण ध्यान रखना है। सुबह जल्दी उठना और रात को समय से सोना-स्वस्थ जीवन का मूलमंत्र है।

एक माँ अपनी बेटी की घनिष्ठ सहेली होती है। तुम जब भी कभी परिस्थितिवश असमंजस में रहो तो अपनी परेशानी मुझे बताने में झिझकना मत। मुझे हमेशा अपने करीब समझना।

यहाँ घर पर सभी तुम्हें बहुत याद करते है। खासतौर से, तुम्हारा छोटा भाई। किसी भी चीज़ की आवश्यकता हो तो जरूर बता देना।

इस पत्र को लिखने की सार्थकता मैं तभी समझूँगी, जब इसमें लिखी बातों पर तुम सकरात्मक रूप से अमल करोगी।

सदैव तुम्हारी शुभाकांक्षी,

तुम्हारी माँ